सोना 1.5 लाख के पार! चांदी के गहनों की मची लूट, BIS का बड़ा प्लान

विषय सूची (Table of Contents):

>> सोने की आसमान छूती कीमतें चांदी के आभूषणों की मांग में भारी उछाल...
>> बजट अनुकूल विकल्प बनी चांदी...
>> बीआईएस (BIS) का नया प्लान चांदी की हॉलमार्किंग क्षमता में होगा बड़ा विस्तार...
>> लैब नेटवर्क का होगा आधुनिकीकरण...
>> अगले दो सालों का रोडमैप देशभर में बढ़ेंगी रेफरल और एसे (Assay) लैब...
>> छोटे शहरों और जिलों तक पहुंचेगी सुविधा...
>> रिकॉर्ड आंकड़े वित्त वर्ष 2025-26 में 59 लाख तक पहुंची हॉलमार्क चांदी...
>> वर्ष-दर-वर्ष आंकड़े (Year-on-Year Growth) ...
>> शुद्धता की गारंटी HUID नंबर और 230 मौजूदा जांच लैब का नेटवर्क...
>> HUID और बीआईएस नेटवर्क की मुख्य विशेषताएं ...
>> बाजार निगरानी का सख्त ढांचा बाहरी लैब की बजाय बीआईएस के खुद के सेटअप पर जोर...
>> विश्वसनीयता बनाए रखने के सख्त नियम...
>> भविष्य की तैयारी जांच में तेजी और पारदर्शिता के लिए AI और रोबोटिक्स का इस्तेमाल...
>> पिक एंड प्लेस रोबोटिक तकनीक की टेस्टिंग...
>> निष्कर्ष (Conclusion)...
>> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न...

भारतीय सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में अभूतपूर्व उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोने के भाव रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद अब आम उपभोक्ताओं और आभूषण प्रेमियों का रुझान चांदी के गहनों की तरफ तेजी से बढ़ा है। चांदी के गहनों की मांग में आए इस उछाल को देखते हुए भारतीय मानक ब्यूरो (BIS - Bureau of Indian Standards) ने भी अपनी जांच और हॉलमार्किंग क्षमता को कई गुना बढ़ाने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है।

गुणवत्ता और शुद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीआईएस अगले दो वर्षों में देशभर में अपनी जांच सुविधाओं का व्यापक विस्तार करने जा रहा है। सरकार और नियामक संस्था का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी से बचाना और बाजार में केवल प्रामाणिक हॉलमार्क वाले चांदी के आभूषणों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। आइए इस पूरे विषय पर विस्तार से चर्चा करते हैं।

सोने की आसमान छूती कीमतें: चांदी के आभूषणों की मांग में भारी

हाल के महीनों में सर्राफा बाजार में सोने की दरों में ऐतिहासिक तेजी दर्ज की गई है। दिल्ली के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को

सोने का भाव 1,54,000 प्रति 10 ग्राम के उच्च स्तर पर बंद हुआ। सोने की कीमतें आम आदमी की पहुंच से बाहर होने के कारण मध्यम वर्ग और युवाओं का आकर्षण अब चांदी के आभूषणों और कलाकृतियों की ओर तेजी से बढ़ा है।

बजट अनुकूल विकल्प बनी चांदी

सोने की तुलना में चांदी न केवल अधिक किफायती विकल्प है, बल्कि मॉडर्न और ट्रेंडी डिजाइनों के कारण फैशन इंडस्ट्री में भी इसकी मांग चरम पर है। शादी-विवाह के सीजन और त्योहारी खरीदारी में भी लोग अब भारी-भरकम सोने की जगह खूबसूरत चांदी के सेट और पायलों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

यह भी पढ़ें:प्रधानमंत्री ने भारत के बढ़ते आत्मनिर्भर चिकित्सा- क्षेत्र पर कही बड़ी बात

बीआईएस (BIS) का नया प्लान: चांदी की हॉलमार्किंग क्षमता में ह

चांदी के गहनों की अचानक बढ़ी मांग को देखते हुए भारतीय मानक ब्यूरो ने अपनी जांच और प्रमाणीकरण व्यवस्था की समीक्षा की है। बीआईएस की उप-महानिदेशक (लैब) निशात एस. हक ने आधिकारिक बयान में बताया कि संगठन ने बढ़ी हुई मांग से निपटने के लिए अपनी बुनियादी तैयारियों का विस्तृत आकलन कर लिया है।

लैब नेटवर्क का होगा आधुनिकीकरण

बीआईएस अपनी मौजूदा प्रयोगशालाओं को अपग्रेड कर रहा है ताकि एक साथ लाखों नमूनों की जांच बिना किसी देरी के की जा सके। इससे ज्वैलर्स को हॉलमार्किंग सेंटर से आभूषणों की डिलीवरी जल्दी मिलेगी और उपभोक्ताओं तक प्रमाणित उत्पाद तेजी से पहुंचेंगे।

>> त्वरित जांच प्रक्रिया:अत्याधुनिक उपकरणों के जरिए एसेइंग (Assaying) प्रक्रिया में लगने वाला समय कम किया जाएगा।

>> पारदर्शिता:हर स्तर पर डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम लागू किया जाएगा ताकि शुद्धता की जांच में कोई गड़बड़ी न हो।

अगले दो सालों का रोडमैप: देशभर में बढ़ेंगी रेफरल और एसे (Ass

बीआईएस ने अगले 2 वर्षों के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार किया है। फिलहाल बीआईएस अपनी मौजूदा प्रयोगशालाओं के दम पर बढ़ती जरूरतों को पूरा करने में पूरी तरह सक्षम है, लेकिन भविष्य में मांग के और अधिक बढ़ने की संभावना को ध्यान में रखते

हुए रेफरल और एसे लैब का विस्तार देशभर में किया जाएगा।

छोटे शहरों और जिलों तक पहुंचेगी सुविधा

बीआईएस का लक्ष्य केवल मेट्रो शहरों तक सीमित न रहकर टायर-2 और टायर-3 शहरों में भी मान्यता प्राप्त एसेइंग केंद्रों का नेटवर्क फैलाना है। इससे स्थानीय ज्वैलर्स को हॉलमार्किंग के लिए बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

यह भी पढ़ें:ट्रंप की चाल: भारत को तेल और पाकिस्तान द्वीप प्लान का सच!

रिकॉर्ड आंकड़े: वित्त वर्ष 2025-26 में 59 लाख तक पहुंची हॉलम

चांदी की हॉलमार्किंग साल 2005 से स्वैच्छिक आधार पर लागू है। इसके बावजूद पिछले दो वर्षों में ग्राहकों के बीच शुद्धता को लेकर जागरूकता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में हॉलमार्क किए गए चांदी के आभूषणों की संख्या बढ़कर 59 लाख के पार पहुंच गई है।

वर्ष-दर-वर्ष आंकड़े (Year-on-Year Growth):

>> वित्त वर्ष 2024-25:32 लाख चांदी के आभूषण हॉलमार्क किए गए थे।

>> वित्त वर्ष 2025-26:यह आंकड़ा बढ़कर 59 लाख हो गया, जो लगभग 84% की रिकॉर्ड वृद्धि को दर्शाता है।

शुद्धता की गारंटी: HUID नंबर और 230 मौजूदा जांच लैब का नेटवर

उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए बीआईएस ने सितंबर 2025 से हॉलमार्क वाले चांदी के आभूषणों पर हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन (HUID) नंबर जारी करना अनिवार्य कर दिया है। यह 6-अंकों का एक अल्फान्यूमेरिक कोड होता है जो हर एक आभूषण को विशिष्ट पहचान देता है।

HUID और बीआईएस नेटवर्क की मुख्य विशेषताएं:

>> HUID नंबर द्वारा वेरिफिकेशन:उपभोक्ता BIS Care App के माध्यम से ऑनलाइन चेक (Status Check) करके आभूषण

के वजन, विक्रेता और शुद्धता का विवरण तुरंत देख सकते हैं।

>> 230 रेफरल और एसे लैब:वर्तमान में देशभर में करीब 230 मान्यता प्राप्त एसेइंग और हॉलमार्किंग केंद्र चांदी के गहनों की जांच कर रहे हैं।

>> शुद्धता का भरोसा:925 स्टर्लिंग सिल्वर या 999 फाइन सिल्वर जैसी श्रेणियों की सटीक जांच सुनिश्चित की जाती है।

बाजार निगरानी का सख्त ढांचा: बाहरी लैब की बजाय बीआईएस के खुद

बीआईएस ने स्पष्ट किया है कि बाजार निगरानी (Market Surveillance) के तहत सोने और चांदी के हॉलमार्क वाले आभूषणों के यादृच्छिक (Random) नमूनों की जांच केवल बीआईएस की अपनी इन-हाउस प्रयोगशालाओं में ही की जाती है। इस महत्वपूर्ण काम के लिए किसी भी बाहरी प्राइवेट लैब को शामिल नहीं किया जाता।

विश्वसनीयता बनाए रखने के सख्त नियम

बीआईएस की उप-महानिदेशक निशात एस. हक के अनुसार, संगठन के पास वर्तमान में देशभर में अपनी 10 हाई-टेक सेंट्रल लैब्स हैं। बाजार से खरीदे गए आभूषणों के नमूनों को इन्हीं बीआईएस लैब्स में टेस्ट किया जाता है ताकि निष्पक्षता बनी रहे।

इसके अलावा, सामान्य जांच कार्यों के लिए बीआईएस के साथ मान्यता प्राप्त प्राइवेट लैब्स की संख्या भी 2014 के 147 से बढ़कर 440 हो चुकी है, जबकि लिस्टेड सरकारी लैब्स 24 से बढ़कर 350 तक पहुंच गई हैं।

यह भी पढ़ें:किराना दुकान में टॉफी के साथ बिक रहा था गांजा और बीयर, पुलिस का छापा!

भविष्य की तैयारी: जांच में तेजी और पारदर्शिता के लिए AI और र

बीआईएस ने विभिन्न उद्योगों के लिए कुल 23,000 से अधिक भारतीय मानक निर्धारित किए हैं, जिनमें से लगभग 700 उत्पाद मानक अनिवार्य हैं। गुणवत्ता जांच की गति को बढ़ाने, मानवीय भूल (Human Error) को कम करने और पारदर्शिता लाने के लिए बीआईएस अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), मशीन लर्निंग और रोबोटिक्स को अपना रहा है।

पिक एंड प्लेस रोबोटिक तकनीक की टेस्टिंग

हाल ही में बीआईएस की ओर से सीमेंट परीक्षण के लिए पिक एंड प्लेस रोबोटिक यूनिट की टेस्टिंग 2026 में सफलता-पूर्वक शुरू की गई है। इस रोबोटिक प्रणाली के परीक्षण परिणामों के मूल्यांकन के बाद इसका विस्तार चांदी और सोने के नमूनों की

जांच के लिए भी किया जाएगा।

निष्कर्ष (Conclusion)

सोने के दामों में रिकॉर्ड उछाल के कारण भले ही आम खरीदारों की जेब पर असर पड़ा हो, लेकिन इसने चांदी के आभूषण बाजार को एक नई दिशा दी है। बीआईएस (BIS) द्वारा हॉलमार्किंग और जांच क्षमता में किया जा रहा विस्तार यह सुनिश्चित करेगा कि उपभोक्ताओं को चांदी के गहने खरीदते समय शत-प्रतिशत शुद्धता और प्रामाणिकता मिले। भविष्य में एआई और रोबोटिक्स के समावेश से भारतीय सर्राफा बाजार और अधिक पारदर्शी और भरोसेमंद बनेगा।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोने का भाव 1,54,000 प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया है, जिसके कारण चांदी के गहनों की मांग में भारी तेजी देखी जा रही है।

चांदी की हॉलमार्किंग वर्ष 2005 से स्वैच्छिक (Voluntary) है। हालांकि, उपभोक्ता सुरक्षा के लिए अधिकांश प्रतिष्ठित ज्वैलर्स अब हॉलमार्क वाली चांदी ही बेच रहे हैं।

सितंबर 2025 से हॉलमार्क किए जाने वाले चांदी के आभूषणों पर 6-अंकों का HUID (Hallmark Unique Identification) नंबर दिया जा रहा है।

वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 59 लाख चांदी के आभूषणों की हॉलमार्किंग की गई, जो पिछले साल के 32 लाख से काफी अधिक है।

वर्तमान में देशभर में लगभग 230 बीआईएस मान्यता प्राप्त रेफरल और एसे (Assay) प्रयोगशालाएं कार्यरत हैं।

उपभोक्ता गूगल प्ले स्टोर या ऐप स्टोर से BIS Care App डाउनलोड करके आभूषण पर लिखे HUID नंबर को दर्ज करके उसकी शुद्धता और ज्वैलर का विवरण ऑनलाइन चेक कर सकते हैं।

बीआईएस अगले दो वर्षों में देशभर में नए रेफरल केंद्र स्थापित करने और एआई व रोबोटिक्स जैसी तकनीकों को प्रयोगशालाओं में जोड़ने पर काम कर रहा है।

बाजार निगिरानी के तहत आभूषणों के सैंपल्स की टेस्टिंग केवल बीआईएस की अपनी 10 स्व-संचालित इन-हाउस प्रयोगशालाओं में ही की जाती है।

बीआईएस वर्तमान में सीमेंट परीक्षण के लिए पिक एंड प्लेस रोबोटिक यूनिट का परीक्षण कर रहा है, जिसे जल्द ही अन्य प्रकार की प्रयोगशालाओं में भी लागू किया जाएगा।

2014 में बीआईएस के साथ 147 मान्यता प्राप्त और 24 सरकारी लैब्स थीं, जो 2026 तक बढ़कर क्रमशः 440 मान्यता प्राप्त प्राइवेट लैब्स और 350 सूचीबद्ध सरकारी लैब्स हो चुकी हैं।